ont>

Title: Need to take steps to make Sindri Fertilisers Unit in Bihar viable.

प्रो. रीता वर्मा (धनबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, सिंदरी का खाद कारखाना अपने देश का सबसे पहला खाद कारखाना था। दो दशकों से ज्यादा इसने देश की सेवा की तथा हरित क्रान्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रमिकों की जी-तोड़ मेहनत के बावजूद यह कारखाना घाटे के कारण पिछले साल बंद कर दिया गया था। यहां बिजली की आपूर्ति दामोदर घाटी परियोजना (डी.वी.सी.) के सौजन्य से होती थी। उनका पिछला बकाया बहुत बढ़ जाने के कारण उन्होंने पहले तो दिन में चार घंटे बिजली की लाइन काटना शुरू किया और अब दिन में दस घंटे लाइन काट रहे हैं, फलस्वरूप पानी की भी भीाण किल्लत हो गई है। पिछली तीन अप्रैल को सिंदरी निवासियों ने जीवन की इन बेहद मूलभूत आवश्यकताओं के लिए वृहद प्रदर्शन तथा रास्ता जाम भी किया।

मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करती हूं कि सिंदरी के निवासियों का कट दूर किया जाये और इस सुन्दर शहर को उजड़ने से बचाया जाये। केन्द्र सरकार डी.वी.सी. को निर्देश दे कि सिंदरी शहर को बिजली की आपूर्ति बिना किसी बाधा के दी जाए। साथ ही सिंदरी खाद कारखाने को दी जाने वाली जो राशि बकाया है, वह जल्दी उन्हें दी जाये ताकि डी.वी.सी. का बकाया चुकाया जा सके।